ई-कॉमर्स के नाम पर साइबर ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ और जयपुर के बदमाश गिरफ्तार

लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर पुलिस जयपुर ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए की जा रही संगठित साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए शातिर साइबर ठग गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमोल चौपड़ा निवासी छत्तीसगढ़ और सक्षम खंडेलवाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी, आम लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे। इसके बाद पीड़ितों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण का दुरुपयोग कर फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्विगी, ज़ेप्टो और ब्लिंकिंग जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगे मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ऑर्डर करते थे। पूरे मामले का

- पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरैंसी का उपयोग करते थे

खुलासा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुआ। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रेस होने से बचाते थे।

नेपाल के रास्ते विदेश भेजते थे मोबाइल

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी और ई-कॉमर्स अपराधों की रोकथाम के लिए एसीपी (क्राइम) मनीष अग्रवाल के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने आरोपियों की पहचान कर उनके नेटवर्क को तोडने में सफलता हासिल की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन, डिजिटल पहचान चोरी और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी फास्ट डिलीवरी सेवाओं का उपयोग कर कम समय में सामान मंगाते थे। साइबर ठगी से खरीदे गए नए मोबाइल फोन को नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में भेजा जाता था। जिसके पुख्ता साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

एक आरोपी जेल, दूसरा पुलिस रिमांड पर

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभीजीत सिंह ने बताया मामले में साइबर पुलिस थाना जयपुर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अमोल चोपड़ा को न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है, जबकि कोर्ट ने दूसरे आरोपी सक्षम खण्डेलवाल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ डिजिटल, वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में इसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह माना जा रहा है।

पिछली कांग्रेस सरकार में हुए पेपरलीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार पर सरकार ने अपनाया सख्त रुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रकरण में नए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए एसओजी से जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सरकार में हुए पेपर लीक एवं आरपीएससी भ्रष्टाचार काण्ड में सामने आए नए तथ्यों को बेहद गंभीरता से लिया है।

उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हुए नए तथ्यों को दृष्टिगत रखकर एसओजी से जांच करवाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है। शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित

- युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एसओजी एवं एसीबी के अधिकारियों को नए तथ्यों के परिपेक्ष्य में तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने आवश्यकतानुसार एसओजी के साथ एसीबी को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक करने वाले 340 लोग गिरफ्तार किया जा चुके हैं और आगे भी सरकार किसी भी सूरत में एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

राखी राठौड़ बनीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष

पेशे से एडवोकेट राखी राठौड़ वर्तमान में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता हैं, वे जयपुर नगर निगम में लगातार 3 बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन भी रह चुकी हैं

जयपुर। राजस्थान भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम फैसला लेते हुए राखी राठौड़ को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं भवानी शंकर शर्मा को कार्यालय सह प्रभारी बनाया गया। पार्टी नेतृत्व ने उनके नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी के सिरोही जिला अध्यक्ष बनने के बाद से रिक्त चल रहा था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राखी राठौड़ की नियुक्ति की घोषणा की।

राखी राठौड़

ज्ञात रहे कि राखी राठौड़, पेशे से एडवोकेट हैं और वर्तमान में बीजेपी की प्रदेश प्रवक्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही है। वे जयपुर नगर निगम में लगातार तीन बार पार्षद और 3 बार चेयरमैन रह चुकी हैं। संगठन और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

वैसे तो, 3 दिन पहले बीजेपी ने अपने 6 मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा कर दी थी, लेकिन उस समय महिला मोर्चा अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई थी। ऐसे में राजनीतिक हलकों में कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी किस चेहरे पर भरोसा जताएगी। अंतत: पार्टी ने राखी राठौड़ के नाम पर सहमति बनाते हुए उन्हें महिला मोर्चा का नेतृत्व सौंप दिया। माना जा रहा है कि पार्टी ने सामाजिक संतुलन और संगठनात्मक क्षमता दोनों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।

राखी राठौड़ को पार्टी में एक तेज तर्रार लेकिन मृदुभाषी प्रवक्ता के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति से बीजेपी ने एक पंथ दो काज साधने का प्रयास किया है, क्योंकि उनके नाम को लेकर पार्टी में किसी भी तरह का विवाद नहीं है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कार्यकाल के दौरान राखी राठौड़ को प्रदेश पहले लिस्ट और प्रवक्ता बनाया गया था, जो संगठन में राखी राठौड़ की पहली जिम्मेदारी थी। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राखी राठौड़ ने कहा कि वे संगठन की आभारी हैं कि एक साधारण कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और बीजेपी की प्राथमिकता रहेगी कि अधिक से अधिक महिलाएं आगे आकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें।

हैड कांस्टेबल 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सीकर टीम ने कार्रवाई करते पुलिस थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर के पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को परिवादी से दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी सीकर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाईयों के विरूद्ध दर्ज मामले में आरोपित नहीं बनाने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार दस हजार रुपये बतौर रिश्वत पूर्व में प्राप्त कर शेष दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है।

जिस पर एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक 25 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की सवाई माधोपुर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर के वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी सवाई माधोपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिताजी व उसके भाइयो के नाम जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर से डॉ भीमराव अम्बेडकर दलित प्रोत्साहन स्कीम के तहत तीनो दुकानों की सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में जिला उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक सूर्यप्रकाश नामा तीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्वत मांग सत्यापन में वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा ने परिवादी से सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में तीस हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर 25 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के आधार : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिला आधारित स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के मूल आधार हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय विशिष्टता एवं विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम में प्रत्येक जिले के चिन्हित तत्वों का प्राथमिकता के अनुसार दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार कर विकास एवं संरक्षण के कार्य किए जाएं तथा संबंधित नोडल विभाग इसकी नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भी पंच गौरव कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जावे, जिससे उन्हें भी जिले की विशिष्ट पहचान की जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने इस

- पंच गौरव कार्यक्रम में जन सहभागिता एवं जागरुकता बढ़ाएं : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले पर पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाएं, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े।''

कार्यक्रम की गतिविधियों में अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का इससे सीधा जुड़ाव हो सके।शर्मा ने कहा कि सभी जिलों के चयनित कृषि उत्पादों की नवाचारों के साथ ब्रांडिंग की जाए, ताकि इन उत्पादों को नई पहचान मिल सके। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय विशेषता के आधार पर पौधे तैयार करने एवं वृक्ष मित्र बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल विभाग को प्रत्येक जिले में स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला एक पर्यटन स्थल के अर्न्तगत पर्यटन स्थलों पर सड़क व पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गाइड एवं विभिन्न हितधारकों के क्षमतावर्द्धन के लिए भी नीति निर्धारण के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि पंच गौरव के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

57 किलो चांदी लूट के मामले में डेढ़ साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

माणक चौक क्षेत्र में मनीरामजी की कोठी रास्ता स्थित गजानंद ज्वैलरी शॉप में गार्डों को बंधक बनाकर जेवरात लूटने का मामला

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ज्वैलरी शॉप से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो चांदी के गहने भी बरामद किए है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद तौहीद (34) निवासी निवाई, जिला टोंक के रूप में हुई है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ करीब आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले में एक अन्य फरार आरोपी अशफाक की तलाश जारी है, जिस पर भी 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर की थी लूट

डी.सी.पी. ने बताया कि 19 नवंबर को पीड़ित विनोद अग्रवाल ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी ने बताया कि मनीरामजी की कोठी का रास्ता स्थित सिद्धि विनायक कॉम्पलेक्स में उनकी गजानंद ज्वैलरी के नाम से दुकान है।

रात के समय बदमाशों ने दुकान की सुरक्षा में तैनात तीन गार्डों से मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया और शॉप का लॉक तोड़कर 57 किलो चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट में शामिल हितेश प्रजापत और अकरम को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 38 किलो चांदी के गहने बरामद किए जा चुके हैं। पूछताछ में सामने आया कि वारदात में कुल चार बदमाश शामिल थे। इसके बाद फरार आरोपियों मोहम्मद तौहीद और अशफाक पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

आरोपी मोहम्मद तौहीद

- पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तौहीद को गिरफ्तार कर 10 किलो चांदी के गहने भी जब्त किए हैं
- इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 38 किलो चांदी बरामद कर चुकी

आरोपी ने दिल्ली-गुड़गांव में काटी फरारी

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तौहीद वारदात के बाद अपने परिचित के यहां छिपने चला गया था। उसे जानकारी मिली कि पुलिस उसके टोंक-निवाई स्थित मकान पर दबिश देने आई थी और घर की गहन तलाशी लेकर लौट गई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लूट का माल अपने ही घर में छिपा दिया। इसके बाद वह पुलिस से बचने के लिए दिल्ली-गुडगांव चला गया, जहां कुछ समय घूमने के बाद मालपुरा और टोंक क्षेत्र में भी फरारी काटता रहा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा : मदन राठौड़

कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा, जबकि कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को अंग्रेजी कैलेंडर के प्रथम दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025 में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे जल प्रबंधन का क्षेत्र हो, बिजली आपूर्ति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण हो या किसानों को सशक्त बनाने की योजनाएं- सरकार ने प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र के हित में ठोस निर्णय लिए हैं। सोलर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी गति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत की।

मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों में आपसी कलह, फूट और सिर फुटव्वल साफ दिखाई दे रही है। इसी कारण जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है और लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। राजस्थान रिफाइनरी के विषय में राठौड़ ने कहा कि इसकी प्रक्रिया वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। कांग्रेस सरकार ने सितंबर 2013 में रिफाइनरी को लेकर ऐसा एमओयू किया, जिसमें राज्य सरकार को 15 वर्षों तक बिना ब्याज के प्रतिवर्ष 3871 करोड़ रुपये देने थे तथा 15 वर्ष बाद 26 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती, यह राज्य पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला समझौता था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में वसुंधरा राजे सरकार ने एचपीसीएल के साथ नया एमओयू किया, जिसके तहत राज्य सरकार प्रतिवर्ष लगभग 1100 करोड़ रुपए देगी, उस पर ब्याज भी मिलेगा और राज्य की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की गई। कांग्रेस की योजना में जहां 15 वर्षों में लगभग 56 हजार करोड़ रुपये का भार पड़ता, वहीं भाजपा सरकार ने इसे घटाकर 16,845 करोड़ रुपये कर दिया।

इससे राज्य को लगभग 39 हजार 328 करोड़ रुपये की बचत हुई। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023 में रिफाइनरी परियोजना की लागत बढ़ाकर 72,937 करोड़ रुपये कर दी, जिसके बाद संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजस्थान के हितों के साथ कोई समझौता न हो। भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है, जबकि कांग्रेस ने बंदरबांट की राजनीति की। इस सच्चाई को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।

गोल्ड लोन चुकाने के नाम से 15 लाख रु. की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना इलाके में एक युवक को परिचित के नाम से गोल्ड लेना भारी पड़ गया। पीड़ित ने आरोपी परिचित के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे डाले और शातिर परिचित ने उन लाखों रुपयों को अपने दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। यूपीआई और एटीम के जरिए नकदी निकलने के बाद पीड़ित को खुद के साथ हुई धोखाधडी का एहसास होने पर पुलिस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी परिचित के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि जमवारामगढ निवासी हेमराज गुर्जर (34) ने मामला दर्ज कराया है कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी प्रेम चंद्र से हुई थी। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनो अच्छे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए आरटीजीएस के जरिए जमा करवाए। बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए अपने दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। जिन्हें और एटीएम के जरिए निकलने का पता चला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।